নিহ্নার m. nomen plantae. N. 12.3.

নির্ 1. এ. (নিয়ান অমাযান্ত শ্লে আন্নী য়িন দ্)

1) acuere. 2) perferre, tolerare. — নিনা 1) amarus. 2) suave olens. Megh. 20. — Desid. নিনিঅ perferre, sustinere. Mah. 3. 1393.: लोगांस নিনিঅस; Man 6. 47.: স্থানিআবাৰ্ নিনিঅন; Bh. 2. 14. — Cl. 10. vel Caus. দ. নির্যামি acuere. (Lith. tékinu cote acuo, tékélis cos magna; russ. toću cote acuo, toćilo cos; gr. স্থাপ, fortasse etiam স্থাপুর্থপ, ইস্পেত্য; lat. tango; goth. têka tango; v. নিরম্ splendor et cf. cambro-brit. teg «clear, fair; beautifull, pretty, bland».)

নিনিত্ত্ (a Desid. নিনিত্ - v. নিত্র - s. 3) patiens. Am. নিনি ি m. perdrix, «the francoline partridge». Am. নিপ্তি m.f. dies lunaris. N.5.1. SA.3.2.

নিত্ৰন m. nomen arboris, Diospyros glutinosa. Lass. 52.
নিলিন্ত m. nomen arboris, Tamarindus Indica. Am.
নিলিত্তা f. id.

तिप् 1. et 10. 4. (त्तरणे र.) stillare. र.: तेपते जलङ् घर्म टात्. % तिम्

तिम् 4. P. humidum esse, madefieri. Hit. Ser. 97.5.: वा-नरांस् तिम्यतः शीतार्त्तकम्पमानान् अवलाेकः -तिमित humidus, madidus. Am. G. तिप्

নিমি m. piscis fabulosus, qui centum Yog'anorum longitudinem habere dicitur. A. 6.3.

तिमिङ्गिल m. ingens piscis fabulosus. A. 6.3.

तिमिर् n. (ut videtur, e तिमर् vel तमर्, v. तमस्) obscuritas.

तिरश्चर किर्यच्र

तिरस् (r. तृ i.e. तर्, तीर् s. म्रस्) 1) Praep. in dialecto vêdica, trans, per (v. Lass. p. 34.) e.c. तिरः पुत्रचिद् म्रिश्चना रजांसि ... एह यातम् «per tenebras multas huc venite, As vini!» य र्ड्सयन्ति पर्वतान् तिरः समुद्रम् म्राचिम् «qui trans mare undosum nubes propellunt». 2) Adv. flexuose, tortuose. (Ad तिरस् trans, per, referri possunt lat. trans, goth. thairh, nostrum dur-ch, hib. tar, tair «beyond, over, across, through, above», tri «through, by»; lith. tiës e regione, ex ad-

verso; zend. taro trans (Burnouf Yaçna Note LXVI.) nititur forma primitiva तरस्. Ad तिस् tortuose traxerim hib. tar «bad»; v. तु.)

तिरस्कारिन् m. (r. क praef. तिरस् s. इन्) aulaeum. R. Schl. II. 15.20.

तिरस्कारिणों f. (fem. praec.) 1) i.q. praec. 2) velum. UR. 22.4. infr.

तिरस्कार m. (a squ. s. म्र) convicium, maledictio, contumelia. Hir. 13.14.114.20.

तिरस्कु (r. कु q. v. praef. तिरस्) 1) obtegere. RAGH.16. 20.: तिरस्क्रियन्ते कृमितन्तुतालैः ... गवाचाः; R. Schl.II.12.89.: कालरात्रिज्ञ मे नूनम् भार्यात्त्पतिर्स्कृता त्वम् राजपुत्रिः 2) superare. RAGH.3.8.: तदी-यम् म्रानीलमुखं स्तनद्वयम्। तिरश्चकार ... सुजातयाः पङ्कजकोशयोः श्रियम् ; HIT.81.8.: स तिरस्क्रियते ऽरि-िमः 3) conviciari, contumeliam dicere. HIT.13.11.: तं सर्वे तिरस्कुर्वन्तिः

तिरोधा v धा praef. तिरस्

तिराहित v. धा praef. तिरस्

तिर्यम् Ado. (Acc. neut. sequentis) flexuose, tortuose, oblique, ex obliquo. Un. 65. 16.: तिर्यग् स्रवलाका

तियंच् (e तिरि pro तिरस् et म्रच् pro म्रञ्च ire, in casib. fortibus तियञ्च, in debilissimis तिरश्च, quod e तिरस् et च् pro म्रच्; Nom.m. तियञ्च, f. तिरश्ची, n. तियञ्च.)

1) Adj. curvus, flexuosus, tortuosus, obliquus. Megh. 52.58. 2) Subst.m. animal, quadrupes. Hit. 53.19.

1. तिल् 6. et 10. ? तिलामि, तेलयामि unctum, oleosum esse; v. तिल, तैल

2. तिल् 1. P. (गता) ire, se movere (cf. तिहा, तृ i.e. तर्, unde तिल् ortum esse videtur, attenuato म्र in इ et mutato रू in लू).

तिल m. (r.1. तिल s. 契) 1) nomen plantae, cujus semen oleum praebet, Sesamum orientale. 2) nota, macula, quae sesami semini comparatur. Su. 3.18.

নিলেক 1) m.n. macula in fronte, unguento aut terra colorata facta. RAGH. 9.40. 2) arbor quaedam. ibd.

तिलोत्तमा f. (e तिल et उत्तमा) n. pr. Sv. 3. 18.